गुजरात कांग्रेस में टिकट बंटवारे पर बवाल

अहमदाबाद। गुजरात कांग्रेस में टिकट बंटवारे के बाद बवाल हो रहा है। इसकी वजह से पार्टी हाईकमान परेशान हो गया है। अब ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी यानी एआईसीसी ने यहां डैमेज कंट्रोल के लिए टीम भेजी है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस टीम में चार नेता हैं। ये टीम नाराज पार्टी वर्कर्स और नेताओं को मनाने की कोशिश कर रही है। बता दें कि सूरत में कांग्रेस को कामयाबी की उम्मीद दिख रही थी लेकिन, यहां के तीन बड़े नेताओं ने टिकट बंटवारे से नाराज होकर पार्टी ही छोड़ दी। इसी वजह से कांग्रेस हाईकमान को अब नतीजों की फिक्र होने लगी है। बता दें कि गुजरात कांग्रेस के प्रेसिडेंट भरत सिंह सोलंकी पहले ही चुनाव ना लड़ने का एलान कर चुके हैं।

क्या है पार्टी की कोशिश : न्यूज एजेंसी से बातचीत में कांग्रेस के एक सीनियर लीडर ने गुजरात कांग्रेस में टिकट बंटवारे को लेकर पार्टी नेताओं में नाराजगी की बात मानी। उन्होंने कहा कि हमारे लिए हर कार्यकर्ता अहम है। कांग्रेस के लिए कारोबारियों का गढ़ सूरत सबसे खास है और अब यहीं उसे गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दिक्कत किसी एक नेता को लेकर होती तो भी ठीक था लेकिन यहां तीन नेताओं ने पार्टी छोड़ दी। सूरत में हालात बेकाबू ना हो जाएं इसलिए, कांग्रेस हाईकमान ने यहां बड़े नेताओं की एक टीम भेजी। इसे फायर फाइटिंग टीम कहा जा रहा है।

हाईकमान ने भेजी 4 नेताओं की टीम

कौन हैं कांग्रेस की टीम में? : इस टीम में चार नेताओं को शामिल किया गया है। ये हैं गुलाम नबी आजाद, मुकुल वासनिक, तरुण गोगोई और बीके. हरिप्रसाद। राज्यसभा सांसद आजाद को अहमदाबाद, असम के पूर्व सीएम गोगोई को उत्तर गुजरात, पूर्व केंद्रीय मंत्री मुकुल वासनिक को सौराष्ट्र और बीके. हरिप्रसाद को दक्षिण गुजरात की जिम्मेदारी दी गई है।

उत्तर भारतीयों को टिकट क्यों नहीं दिए? : धनसुख राजपूत को कांग्रेस के बड़े नेताओं में गिना जाता है और अब वो पार्टी छोड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात में करीब 15 लाख उत्तर भारतीय हैं। लेकिन, कांग्रेस ने इनके किसी भी नेता को टिकट नहीं दिया।

पाटीदार नेताओं को कांग्रेस ने टिकट दिए हैं लेकिन हार्दिक पटेल ने कहा था कि उन्होंने कांग्रेस से किसी टिकट की डिमांड नहीं की। बता दें कि गुजरात में 9 और 14 दिसंबर को वोटिंग होनी है। नतीजे हिमाचल प्रदेश के साथ ही 18 दिसंबर को आएंगे।

मुस्लिम नेता भी खफा

पाटीदारों को खुश करने में लगी कांग्रेस के लिए उसके ही एक मुस्लिम नेता ने भी परेशानी खड़ी कर दी है। गुजरात कांग्रेस के सेक्रेटरी फिरोज मलिक ने कहा कि पार्टी हाईकमान ने हमें भरोसा दिलाया था कि मुस्लिमों को भी बराबरी से टिकट दिए जाएंगे। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। धनसुख राजपूत और ज्योति सोजित्रा पहले ही पार्टी छोड़ चुके हैं। ये दोनों कांग्रेस के बड़े नेताओं में गिने जाते हैं। इनके साथ कई कार्यकर्ता भी पार्टी के रवैये से नाराज बताए गए हैं।

सूरत से कांग्रेस को उम्मीद

सूरत गुजरात के कपड़ा कारोबारियों का गढ़ है। यहां राजपूत और पाटीदार काफी हैं। जीएसटी को लेकर यहां के कारोबारियों में बीजेपी के खिलाफ नाराजगी देखी गई है। कांग्रेस इसे कैश करना चाहती है। लेकिन, अब यहां जिस तरह के हालात कांग्रेस के सामने हैं, उन्हें देखकर वो परेशान है। सूरत कितना अहम है, इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुछ दिन पहले अमित शाह यहां दो दिन रुके थे और यहां के तमाम कारोबारियों और लोकल लीडर्स से बातचीत की थी। शाह ने उन्हें कारोबारी दिक्कतें दूर करने का भरोसा भी दिलाया था।

चिदंबरम को राहुल के पिडी की पसंद बता गए हेमंत बिस्व सरमा

नई दिल्ली। पूर्व में किए गए गुनाहों के कारण कैंसर जैसी बीमारी होने के अपने असंवेदनशील बयान पर अब असम में बीजेपी सरकार के मंत्री हेमंत बिस्व सरमा ने सफाई दी है। अपने बयान का बचाव करते हुए हेमंत बिस्व सरमा ने कहा कि मैंने हिंदू दर्शन का उदाहरण देते हुए कहा था कि पूर्व में किए गए पापों के चलते कैंसर जैसी घातक बीमारी होती है। चौतरफा घिरने पर एक के बाद एक कई ट्वीट कर सफाई देते हुए सरमा ने कहा कि विज्ञान मानवीय मूल्यों और धर्म को बढ़ावा नहीं दे सकता। वहीं, इस बीच वह कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के ट्वीट का जवाब देते हुए एक विवादित ट्वीट कर गए। कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में जाने पर सोच बदलने के चिदंबरम के तंज पर सरमा ने कहा कि सर, आप कांग्रेस में दोबारा कब आए थे? जितना मैं जानता हूं आप तमिल मनीला कांग्रेस में थे। विशेषाधिकार प्राप्त लोग कुछ भी कर सकते हैं। चिट फंड से लेकर आईएनएक्स मीडिया स्कैम और पार्टी बदलने तक कुछ भी। खैर, पिडी विशेषाधिकार प्राप्त लोगों को ही पसंद करता है। बता दें कि राहुल गांधी के पालतू कुत्ते का नाम पिडी है, जिसका विडियो कांग्रेस उपाध्यक्ष ने ट्विटर पर शेयर किया था। इससे पहले कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने सरमा के बयान पर तंज कसते हुए ट्वीट किया था कि पार्टी बदलने के बाद लोग इस तरह की बातें करने लगते हैं कि पूर्व के कर्मों के चलते कैंसर जैसी बीमारियां होती हैं। सरमा ने असम विधानसभा चुनाव से एक साल पहले अगस्त, 2015 में बीजेपी जॉइन कर ली थी। इसी को लेकर चिदंबरम ने सरमा पर ट्वीट कर निशाना साधा था।

आपकी पार्टी में हिंदू दर्शन पर चर्चा होती है क्या?

इस पर चिदंबरम को जवाब देते हुए सरमा ने कहा कि सर, प्लीज बात को गलत ढंग से पेश न करें। मैंने साफ तौर पर कहा था कि हिंदुत्व कर्म के सिद्धांत में विश्वास रखता है और पूर्व में इंसान अपने किए गलत कर्मों का अंजाम भुगतता है। क्या आप भी इसे नहीं मानते? निसंदेह मैं नहीं जानता कि आपकी पार्टी में हिंदू दर्शन पर कितनी बात की जाती है।

ट्विटर यूजर ने पूछा, मेरे पिता कैंसर से मरे, उनके कर्म तो सही थे?

एक ट्विटर यूजर ने सरमा पर निशाना साधते हुए कहा कि मेरे पिता की कैंसर की वजह से मौत हुई थी, लेकिन उनकी मृत्यु में कर्म का यह सिद्धांत नहीं दिखता। इस पर सरमा ने अपना बचाव करते हुए कहा कि मेरे पिता की मृत्यु भी कैंसर के चलते ही हुई थी। मैंने सिर्फ हिंदू दर्शन का हवाला दिया था, इसे किसी पर थोपने की कोशिश नहीं की। एक अन्य यूजर ने कहा कि अब तक उन्होंने जो बयान सुने हैं, उनमें सरमा का बयान सबसे असंवेदनशील है।

अध्यापकों को प्रोत्साहित करने के लिए दिया था उदाहरण

एक अन्य ट्वीट में सरमा ने कहा कि मैंने अध्यापकों के नए बैच को प्रोत्साहित करने के लिए भगवद्गीता का उल्लेख किया था। उन्होंने लिखा, मैं नहीं जानता था कि अध्यापकों के बैच को प्रोत्साहित करने के लिए हिंदू दर्शन का उल्लेख करना इस देश में अचानक पाप हो जाएगा।

ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने के लिए संसद में फिर विधेयक लाएगी मोदी सरकार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग को संवैधानिक दर्जा देने के लिए केंद्र सरकार दोबारा लोकसभा में विधेयक पेश करने की तैयारी में है। बीते संसद सत्र में यह विधेयक राज्यसभा में अटक गया था। सरकार के सूत्रों के मुताबिक अन्य पिछड़ा वर्ग के सभी समुदायों की मांग पर अनुसूचित जाति और जनजाति आयोग की तर्ज पर ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया जाएगा। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन 1993 में किया गया था। फिलहाल इसके पास सीमित अधिकार हैं। यह आयोग पिछड़ी जातियों को ओबीसी की केंद्र सरकार की सूची में शामिल करने या बाहर निकालने की ही सिफारिश कर सकता है। फिलहाल ओबीसी समुदाय की शिकायतों के निपटारे और उनके हितों की रक्षा के लिए अनुसूचित जाति आयोग ही काम करता है। संवैधानिक दर्जा मिलने के बाद ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिए जाने के बाद इसके तहत पिछड़ी जातियों की समस्याओं का निपटारा किया जा सकेगा। इस विधेयक के पारित होने पर पिछड़ा आयोग ओबीसी सूची में शामिल जातियों की समस्याओं को सुन सकेगा और उनका समाधान कर सकेगा।

हमने भी चूड़ियां नहीं पहन रखी हैं

पटना। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के बेटे तेजप्रताप यादव ने डिप्टी सुशील कुमार मोदी को घर में घुसकर मारने की धमकी दी जिससे बिहार की राजनीति में उबाल आ गया है। उनकी धमकी पर जदयू ने पलटवार करते हुए कहा कि अगर तेजप्रताप घर में घुस कर मारेंगे तो हमने भी कोई चूड़ियां नहीं पहन रखी हैं।

जदयू नेता नीरज ने कहा-जरा घर में घुसकर मारो तो

जेडीयू की तरफ से दो प्रवक्ताओं ने कमान संभालते हुए तेजप्रताप यादव पर जवाबी हमला बोला है। एक ओर जदयू प्रवक्ता नीरज ने चुनौती देते हुए कहा कि तेजप्रताप पहले सुशील मोदी के घर होने वाली शादी में हंगामा कर के दिखायें, हम तेजप्रताप को उनकी औकात बता देंगे।

संजय सिंह ने कहा-हमने भी चूड़ियां नहीं पहन रखी हैं

उन्होंने लालू पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार में कानून का राज है, ऐसे में ये समझने की जरूरत है कि लालू ने अपने बेटों को किस तरह के संस्कार दिये हैं? दूसरी ओर जेडीयू के फायर ब्रांड प्रवक्ता संजय सिंह ने कहा कि तेजप्रताप अगर घर में घुस कर मारेंगे तो हमने भी कोई चूड़ियां नहीं पहन रखी हैं।

तेजप्रताप की धमकी पर जदयू का करारा जवाब

लालू पुत्र के शरीर में खून है तो हमारे शरी में पानी नहीं भरा

संजय सिंह ने कहा कि अगर लालू पुत्र के शरीर में खून है तो हमारे शरीर में भी पानी नहीं भरा है। मालूम हो कि सूबे के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और लालू के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने औरंगाबाद में कहा था कि गरीबों को छलने वाले सुशील कुमार मोदी को घर में घुसकर मारेंगे।

तेजप्रताप ने कहा था-सुशील मोदी के घर में घुसकर मारेंगे

मालूम हो कि सूबे के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और लालू के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने औरंगाबाद में कहा था कि गरीबों को छलने वाले सुशील कुमार मोदी को घर में घुसकर मारेंगे। सुशील मोदी ने अपने गुंडों से मुझे फोन करवाया था। उन्होंने कहा कि सुशील मोदी के बेटे उत्कर्ष की शादी है। शादी में आने के लिए सबको न्योता दे रहे हैं हम वहां जाएंगे और वहीं पर उनका पोल खोलेंगे। उनके घर में घुस के मारेंगे।

लगता है लालू जी के साथ सबको जेल जाने की जल्दी है

जदयू के प्रवक्ता अजय आलोक ने ट्वीट कर कहा कि लगता है कि लालू जी के साथ सबको जेल जाने की जल्दी है। प्रवक्ता बाबा लगता हैं कान में फूंके हैं की जेल जाओगे तब वोट मिलेगा तभी है ये पागलपन। अपने अगले ट्वीट में उन्होंने लिखा कि तेजू बाबा घर में घुस कर मारेंगे मोदी जी को! कहते हैं हम लालू हैं मुँह पे बोलेंगे अरे लालू जी समझाइए मोदी जी केस कर देंगे।

वरुण ने चलती कार में लड़की के साथ ली सेल्फी, फटकार पड़ी तो माफी मांगी

मुंबई। रोड पर चलती कार में एक लड़की के साथ सेल्फी लेने पर मुंबई पुलिस ने एक्टर वरुण धवन को फटकार लगाई है। इसके बाद उन्होंने माफी मांग ली। दरअसल, लड़की के साथ सेल्फी वाली वरुण धवन की फोटो गुरुवार सुबह से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। यह खबर सामने आने के बाद मुंबई पुलिस ने एक्शन लिया और उन्हें ई-चालान भेजने की बात कही। साथ ही दोबारा ऐसा नहीं करने की हिदायत भी दी है।

गुरुवार को पब्लिश हुई फोटो

दरअसल, मुंबई के एक अंग्रेजी अखबार में वरुण धवन की लड़की के साथ सेल्फी लेने वाली फोटो गुरुवार को पब्लिश हुई थी। किसी शख्स ने इसकी जानकारी मुंबई पुलिस को उनके ट्विटर अकाउंट पर फोटो को टैग करते हुए दी। हालांकि, यह पता नहीं चल पाया है कि यह सेल्फी मुंबई में कहां ली गई और कब ली गई।

स्टंट सेट पर ही दिखाएं

मुंबई पुलिस ने गुरुवार को ट्वीट कर वरुण धवन की सेल्फी पर सख्त आपत्ति जताई। मुंबई पुलिस ने ट्वीट कर लिखा कि अगर स्टंट दिखाने का इतना ही शौक है तो सेट पर दिखाइए, सड़क पर नहीं। कहीं ऐसा न हो कि ये शौक आपको महंगा पड़ जाए। आपने सिर्फ अपनी नहीं बल्कि अपने फैन की जिंदगी से भी खिलवाड़ किया है। आप जैसे जिम्मेदार लोगों से ऐसी उम्मीद नहीं थी। इस बार इसे बस वॉर्निंग समझिए। जल्द ही आपको ई-चालान भी मिल जाएगा। ट्रैफिक पुलिस के एक अफसर ने कहा कि वरुण की यह हरकत ट्रैफिक रूल्स का वॉयलेशन है। एक सेल्फी के चक्कर में बड़ा हादसा भी हो सकता था।

वरुण ने मांगी माफी

जब विवाद बढ़ने लगा तो वरुण धवन ने ट्वीट कर माफी मांग ली। वरुण ने लिखा कि हमारी गाड़ी ट्रैफिक सिग्नल पर खड़ी हुई थी, मैं अपने फैन्स के सेंटीमेंट्स को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता था, मैं आगे से ध्यान रखूंगा। मैं सुरक्षा का पूरा ख्याल रखूंगा।

बागपत में युवकों ने 3 मौलवियों को पीटा, चलती ट्रेन से बाहर फेंका

बागपत। बागपत कोतवाली क्षेत्र में कुछ अज्ञात लोगों ने चलती ट्रेन में तीन मौलवियों की कथित तौर पर पिटाई की। पुलिस अधीक्षक बागपत जय प्रकाश सिंह ने गुरूवार सुबह घटना की जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को रात दिल्ली से तीन मौलवी पैसेंजर ट्रेन से अपने गांव बागपत लौट रहे थे। सिंह ने बताया कि ट्रेन में उनका किसी बात पर कुछ युवकों से विवाद हो गया। इन युवकों ने इनकी पिटाई कर दी और चलती ट्रेन से बाहर फेंक दिया। बागपत में अम्हैड़ा स्टेशन पर उतर कर पीड़ित पक्ष द्वारा हंगामा किया गया। मामला हालांकि राजकीय रेलवे पुलिस क्षेत्र का था फिर भी पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर छह अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। बागपत कोतवाली प्रभारी डी कुमार ने पीड़ित पक्ष द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर बताया कि बागपत निवासी गुलजार, इसरार और अब्बू दिल्ली से पैसेंजर ट्रेन में सवार हुए थे। रास्ते में इनका ट्रेन में सवार कुछ युवकों से झगड़ा हुआ। रात करीब पौने एक बजे बागपत थाना पुलिस में उन्होंने घटना के संबंध में तहरीर दी।

पलानीसामी गुट को मिला एआईएडीएमके का चुनाव चिन्ह

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में गुरुवार को चुनाव आयोग के एक फैसले के बाद बड़ा बदलाव आ गया है। दरअसल, चुनाव आयोग ने पहले से ही जेल की हवा खा रहीं वी के शशिकला को एक और झटका दे दिया है। चुनाव आयोग ने एआईएडीएमके का चुनाव चिन्ह पलानीस्वामी-पन्नीरसेल्वम वाले गुट को दे दिया है। पहले से ही दो धड़ों में बंट चुकी इस पार्टी को लेकर अब शशिकला का दावा और कमजोर हो गया है। पार्टी के चुनाव चिन्ह दो पत्ती को लेकर शशिकला गुट और पलानीस्वामी-पन्नीरसेल्वम गुट अपना-अपना दावा ठोंक रहे थे। आखिर में पलानीस्वामी-पन्नीरसेल्वम गुट को चुनाव चिन्ह सौंप दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा- कार्यकर्ता हमारे समर्थन में थे : चुनाव आयोग के इस फैसले पर मुख्यमंत्री पलानीसामी ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि हमें पता चला है कि चुनाव आयोग का जजमेंट हमारे समर्थन में आया है, अधिकतर पार्टी के कार्यकर्ता हमारे सपोर्ट में थे। वहीं चुनाव आयोग के फैसले पर पार्टी सासंद वी मैत्रेयन ने कहा, हालांकि हम अभी फैसले की हार्ड कॉपी की प्रतीक्षा कर रहे हैं लेकिन हमें चुनाव आयोग से मुंहजबानी ये सूचना दे दी गई है कि दो पत्ती चुनाव प्रतीक हमें सौंप दिया दिया गया है।

चुनाव आयोग ने दिया शशिकला को झटका

चुनाव चिन्ह के लिए दो धड़ों में बंटी थी एआईएडीएमके : आपको बता दें कि इस महीने की शुरुआत में एआईएडीएमके के दोनों गुटों ने चुनाव आयोग को पार्टी के चुनाव चिन्ह के लिए अपना-अपना दावा पेश किया था। शशिकला गुट की तरफ से उनके भतीजे टीटीवी दिनाकरण अगुआई कर रहे थे। आपको बता दें कि वी के शशिकला तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के देहांत के बाद से जेल में हैं। उन पर आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा चल रहा है। दूसरी तरफ एआईएडीएमके घूस मामले में सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस को टीटीवी दीनाकरण के खिलाफ चार्जशीट फाइल न करने को लेकर लताड़ लगाई है। कोर्ट ने पुलिस से दो हफ्तों में स्टेटस रिपोर्ट फाइल करने का आदेश दिया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

तेंदुपत्ता तिहार 2 दिसंबर...

10 को कोरिया जिले के सोनहत, 11 को जशपुर के पत्थलगांव विकासखंड के कोतवा में तेंदुपत्ता बोनस बांटा जायेगा। बैठक में राज्य सरकार के 12 दिसंबर को 14 साल पूरे होने पर राजधानी रायपुर सहित सभी जिला मुख्यालय सहित अन्य जगहों पर शानदार कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा जिसमें जिला के प्रभारी मंत्री, जिला पुस्तिका, जनमन और 14 वर्ष की उपलब्धियों पर पुस्तिका का विमोचन होगा। 12 दिसंबर के बाद ऊर्जा उत्सव भी मनाया जायेगा और जिला व विकासखंड स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। वहीं छत्तीसगढ़ सरकार ने भिलाई स्टील प्लांट समेत प्रदेश के दूसरे स्टील उद्योगों को विद्युत शुल्क में दी जाने वाली छूट को और 6 महीने के लिए बढ़ा दिया है। बैठक में 12 दिसंबर से ऊर्जा उत्सव मनाने का भी फैसला लिया गया। इसमें जिला और विकासखंड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं सौभाग्य योजना के तहत गरीब परिवारों को निःशुल्क विद्युत कनेक्शन और सामान्य परिवारों को 50 रुपए की मासिक किश्त पर विद्युत कनेक्शन दिए जाएंगे। वहीं खाद्यान्न उपार्जन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विपणन संघ को शासकीय प्रत्याभूति पर भारतीय स्टेट बैंक द्वारा उपलब्ध कराई गई राशि 1 हजार करोड़ रु साख सीमा के लिए सरकार द्वारा दी गई गारंटी 28 दिसंबर 2018 तक बढ़ाने का फैसला लिया गया।

विनोद वर्मा की हाईकोर्ट में नई...

मेरे पिता के विरुद्ध छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा जो झूठा अपराध पंजीबद्ध किया गया है उसके लिए छत्तीसगढ़ पुलिस से गंभीर पूछताछ की आवश्यकता है। उन्होंने लिखा है कि छत्तीसगढ़ पुलिस और उनके अधिकारियों द्वारा जो गैरकानूनी आपराधिक एवं षड़यंत्र पूर्वक गतिविधियां की गई है उससे पर्दा उठाने के लिए उन अधिकारियों से सख्त पूछताछ की जानी चाहिए।

जनधन-आधार-मोबाइल ने देश...

ऐसा करके हमने 10 अरब डॉलर का नुकसान बचाया।

साइबर सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा : केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बुधवार को बताया कि इंटरनेशल प्लैटफॉर्म पर साइबर डिप्लोमेसी तेजी से उभर रही है। इसलिए सम्मेलन में साइबर सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा होगा। भारत डिजिटल इन्क्लूजिव प्रोग्राम को बढ़ावा देना चाहता है।

गुजरात बीजेपी की जागीर...

उन्होंने कहा कि मुझ पर कांग्रेस की बी टीम होने का आरोप लगाया जाता है, लेकिन मैं सिर्फ जनता की बी टीम हूं। उन्होंने यही भी कहा कि कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी के साथ कोई रैली करने का प्लान नहीं है। हार्दिक पटेल ने जानकारी दी कि राहुल गांधी कल (शुक्रवार को) यहां (अहमदाबाद) आ रहे हैं, और मेरा उनसे मुलाकात करने का कोई इरादा नहीं है। मैं उन्हें सिर्फ शुभकामनाएं दे सकता हूं। पटेलों को आरक्षण के मुद्दे पर हार्दिक पटेल ने कहा, मैंने एक फॉर्मूला दिया है, और अगर बीजेपी कहती है, उसे लागू नहीं किया जा सकता, तो उन्हें मुझे वजह बताते हुए समझाना होगा।

प्रद्युम्न मर्डर-टॉर्चर किया, बिजली...

चंदा इकट्ठा किया, फिर दूसरे की प्रॉपर्टी से मिली बेल : अशोक की जमानत के लिए जरूरी 50 हजार रुपए गांव वालों ने चंदा इकट्ठा कर जुटाए। अशोक के गांव के राजिंदर ने कहा कि जब कोर्ट ने जमानत देने के लिए 50 हजार रुपए की शर्त रखी तो हमने गांव में चंदा इकट्ठा किया। लोगों ने 100, 200, 500 और किसी ने 1000 से 2000 रुपए तक चंदा दिया। गांव वालों ने 20 हजार रुपए इकट्ठा किए। हालांकि, आखिरी वक्त में गांव के ही एक व्यक्ति की प्रॉपर्टी का दस्तावेज जमा करने के बाद उसे जमानत मिली। बता दें कि अशोक को कोर्ट ने कॉन्स्टीट्यूशन के आर्टिकल 21 के तहत बेल दी है। उसे बेनिफिट ऑफ डाउट मिला है।

घर पहुंचते ही मां ने गले लगाया : अशोक से सबसे पहले उसकी मां मिली। अपने बच्चे को घर पर आने पर अशोक की मां ने उसे अपने गले लगा लिया और खूब रोई। मां ने कहा कि बेटे के घर से आने पर रौनक आई है।

आंबेडकर प्रतिमा को साक्षी...

तब युवती के परिजनों से इस आदर्श विवाह के संबंध में चर्चा किए। चूंकि आदर्श विवाह को लेकर युवक व युवती की रजामंदी के साथ ही परिजनों ने भी सहमति जताई और सादगी पूर्ण ढंग से जिला मुख्यालय में डॉ भीभराव अम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष वर व वधु ने वरमाला डाला और रवि ने किरण की मांग में सिंदुर भरकर वैवाहिक रस्म पूरी की। डॉ अम्बेडकर को साक्षी मानकर आशीर्वाद लिए। इस अनूठी शादी को देखने लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। आदर्श विवाह की दिनभर शहर में चर्चा होती रही। लोगों ने इस आदर्श विवाह को समाज हित में बताया।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, बस्तर जिला-जगदलपुर (छ.ग.)

दूरभाष क्रं. 07782-222336, (कार्या.) फैक्स क्रं. 225777

ई-मेल spofficejdr@gmail.com

// निविदा आमंत्रण सूचना //

क्रमांक :- पुअ/बस्तर/एसी/एम/ 5816-A/2017, दिनांक : 18/11/2017

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित निर्माण कार्य के लिए मुहरबंद निविदायें पुलिस अधीक्षक, जगदलपुर के कार्यालय में प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग रायपुर के भवन निर्माण कार्य हेतु नीचे दर्शाए गये प्रभावशील दर अनुसूची पर प्रपत्र ''अ'' में प्रतिशत दर पर छ.ग. शासन के निर्माण विभाग में पंजीकृत सक्षम ठेकेदार से दो लिफाफा पद्धति में (निविदा दर तथा अमानत राशि पृथक-पृथक) पंजीकृत पावती युक्त डाक स्पीड पोस्ट से कार्यालयीन समय में आमंत्रित की जाती है। कार्यालय से कोरे निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि-09-12-2017 पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि 11.12.2017 के सायं 4:00 बजे, निविदा खोलने की तिथि- 11.12.2017 को सायं 5:00 बजे, यदि किसी कारणवश निर्धारित तिथि को निविदा नहीं खोली जाती है तो अगले कार्यदिवस को कार्यालयीन समय में प्रातः 11:00 बजे उपस्थित निविदाकारों या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी जो निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित रहेंगे।

क्र.	कार्य का नाम एवं कार्यस्थल	कार्य की अनु. लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य अवधि	ठेके की श्रेणी	प्रभावी अनुसूची दर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	चौकी ककनार में तैनात सुरक्षा बलों हेतु बैरक निर्माण कार्य क्रं. 2	8.80 लाख	6600/-	750/-	3 माह	ई पंजीकृत डी श्रेणी	01.01.15
2	चौकी ककनार में तैनात सुरक्षा बलों हेतु बैरक निर्माण कार्य क्रं. 2	8.80 लाख	6600/-	750/-	3 माह	ई पंजीकृत डी श्रेणी	01.01.15

नोट :- निविदा से संबंधित अन्य जानकारी हेतु कार्यालयीन दिवस में कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर प्राप्त कर सकते हैं।

जी-45847/3

पुलिस अधीक्षक
बस्तर, जगदलपुर